bihar board 8 class english book solution | THE OUTSIDER

THE OUTSIDER
(बाहरी व्यक्ति)
HINDI TRANSLATION OF THE POEM .
SabDekho.in

I'm handicapped ..... and never sigh .

Word meaning : Handicapped (adp हैन्डीकैप्ड] = अपंग । Wheelchair (n) [व्हीलचेअर] = पहियों वाली कुर्सी जो अमूमन अपंगों अथवा मरीजों के लिए उपयोग में आती है । Bound (adj) [बाउन्ड] = घिरा या घेरा हुआ । Saintly (adv) [सेन्टली) = साधु समान । Sigh (v) [साई) = कराहना , दीर्घ श्वांस लेना जैसा दु : ख में कोई करता है ।

हिन्दी अनुवाद –
मैं हूँ एक अपंग , अपने पहिएदार कुर्सी में स्थित
बिना आवाज के खामोशी से बैठे रहने की
मुझसे आशा की जाती है ।
और आशा की जाती है मुझसे कि
सिर्फ मुस्कुराऊ और बाकी दुनिया को
अपनी रफ्तार से जाने दूँ ।
उनसे कोई वास्ता रखे बिना , साधुई पैर्य से ,
और कभी अपनी इस स्थिति पर दुःख भी न जताऊँ ।

Inside my head..... no one bothers .

Word meaning : Thought (n) [थॉट] = विचार । Idea (m) [आइडिया] = विचार , कल्पना । Strange (adj) [स्ट्रॅज] = विचित्र । Bother (v) [चॉदर] = परवाह करना ।

हिन्दी अनुवाद —
दिमाग में मेरे विचार आते – जाते रहते हैं ,
वे विचार किसी तक कहीं पहुंचना चाहते हैं ।
मेरे ओठों से होते दूसरे व्यक्ति (यों) तक
किन्तु लोग अजीब लगते हैं मुझे जो कि
मेरी तनिक भी परवाह नहीं करते ।

My tongue and ..... Ignorance with .

Word meaning : Perform (v) [परफार्म] = क्रियान्वित (कार्य) करना । Igno rance (m) [इग्नोरेन्स] = अज्ञानता , अनभिज्ञता ।

https://www.evidyarthi.in/

हिन्दी अनुवाद –
मेरी जीभ , मेरे ओंठ तक मेरा साथ नहीं देते
साधारण – सा काम भी मैं कर नहीं पाता
लेकिन एक दिमाग है पास मेरे
और यह साबित करता है कि मैं हूँ यहाँ पर
मुझे अपनी उपेक्षा का शिकार मत बनाओ ।

Talk though I .... given to live .

Word meaning : Though (adv) [दो] = यद्यपि । Include (v) [इन्क्लूड] = शामिल करना । Share (v) [शेयर] = बाँटना ।

हिन्दी अनुवाद–
मुझसे बातें करो भले मैं समझ न पाऊँ
मुझे छुओ , मेरे हाथ पकड़ो
शामिल करो मुझे भी अपने जीवन में
मुझे भी इस जीवन में शामिल होने का
हक दे दो , जो कि मुझे (जीवन) दिया गया है ।

Summary :
The Outsider ' it is a compassionate poem . The poem arouse pity in us for a handicapped person . The speaker of this poem is a handicapped person bounded to his wheel chair . Though his limbs not work , his mind and idea and thought exist . And he wants to be touch , in friendly contact to other persons of the world . But the other people ignore him totally . This hurts the handicapped person badly and he sight . He sight to the world and he sight himself .

सारांश –
' द आउटसाइडर ' (बाहरी व्यक्ति) एक कारुणिक कविता है । प्रस्तुत कविता हमारे अन्तस (हृदय) में एक अपंग व्यक्ति के प्रति करुणा जगाती है । कविता का वक्ता एक अपंग है जो अपने पहिएदार कुर्सी तक मात्र सीमित है । यद्यपि उसके अंग कार्य नहीं करते , उसका दिमाग , उसके विचार और कल्पनाएँ जीवित हैं और वह दुनिया के अन्य लोगों के सम्पर्क में रहना चाहता है , दूसरों से निम्नवत व्यवहार करना चाहता है । उपेक्षित कर दिया है । यह बात उस अपंग व्यक्ति को पीड़ा पहुँचाती है । बुरी तरह से और वह कराहता है — दुनिया पर और अपने स्वयं के लिए ।

https://www.evidyarthi.in/